" भिवानी गौरव सम्मान" - 2012

डा. मनोहर लाल शर्मा
(कायला-चंडीगढ)

पंडित नेकी राम शर्मा भिवानी गौरव सम्मान
(राष्ट्र सेवा)

हम सबका परम सौभाग्य है कि हम भारत राष्ट्र के नागरिक हैं | देश के प्रति निष्ठा और समर्पण होना स्वाभाविक है| राष्ट्र सेवा के लिये समर्पित एक ऐसी ही शख्सियत है प्रोफेसर डा. मनोहर लाल शर्मा | आपका जन्म 15 नवम्बर, 1953 को श्री धर्म चंद शर्मा जी के घर हुआ | भिवानी जिले के एक छोटे से गांव कायला से निकल कर आज आप पंजाब यूनिवर्सिटी में गांधियन स्टडी विभाग के प्रमुख हैं| दादरी कॉलेज से बीए करने के बाद आपने पंजाब विश्व विद्यालय से एम.ए. और पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की | गांधी जी पर काम करने के लिए आपको साल 2008 में प्रतिष्ठित गांधी विनोबा शांति पुरस्कार एवं अन्य कई सम्मानों से नवाजा गया है | आपको विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विशेषज्ञ समिति का सदस्य भी नियुक्त किया गया | अहिंसा और शांति पर आपने अदभुत काम किया है | गांधी जी के सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक विचारों पर भी आपने विशेषज्ञता हासिल की है | इसके अलावा पंचायती राज , ग्रामीण विकास और मानव अधिकार आपके प्रिय विषय हैं | इन विषयों पर आपके सैंकड़ों लेख देश विदेश की पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं |

आप दर्जनों शिक्षण संस्थाओं और उनकी प्रबंध समितियों के सदस्य भी हैं | देश भर के जाने माने कॉलजों और संस्थाओं में आपको व्याख्यान देने हेतु बुलाया जाता है | आप अनेक संस्थाओं से सक्रिय रूप में जुड़े हुए हैं |

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित नेकी राम शर्मा भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ |

श्री विजेंद्र गाफिल
(भिवानी)

पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान
(साहित्य)

भिवानी की पावन नगरी प्राचीन काल से ही कवियों, शायरों, रचनाकारों, साहित्यकारों एवं विद्वानों की कर्मभूमि रही है| गज़ल की दुनिया में श्री विजेन्द्र गाफिल जी का नाम बड़े ही आदर से लिया जाता है| आपका जन्म 17 अप्रैल, 1947 को पंडित कलाधर भारद्वाज जी के घर हुआ | आप पंजाब विश्वविद्यालय , चंडीगढ से स्नातक हैं | हिंदी, उर्दू , अंग्रेजी तथा पंजाबी भाषा में आपकी अनेक कृतियां प्रकाशित हुई हैं | आप 15 वर्षों से भी अधिक समय तक भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय से विदेश व्यापार कंसल्टैंट के रूप में जुड़े रहे | आप मुम्बई की सिने राइटर्स एसोसिएशन के सदस्य भी हैं | पहली हरयाणवी फिल्म "लीलो चमन" के लेखक आप ही हैं | हरयाणवी सामाजिकफिल्म "खेत हरे, खलिहान भरे" की कहानी, सम्वाद तथा गीत आपके द्वारा लिखे गये| सिसकियां, खुशबू के घरौंदे, इस सिरे से उस सिरे तक, जिंदगी के खूबसूरत मोड़ तक, गाफिल सत्सई , सदगुरू सांई सत्सई आपके प्रमुख गज़ल एवं काव्य संग्रह हैं | आपकी अनेक रचनायें प्रेस में हैं तथा शीघ्र प्रकाशित होने वाली हैं - "जेही विधि राखे राम ", "रीत कुरीत हरयाणे की", "अंतर्मन" , "डट जा ताऊ ", "ज्ञान गीता", "म्हारो बस कोनी चालै ", "अलबाद" इत्यादि इनमे प्रमुख है | आपने 16000 शेरों से सजी हुई उर्दू की सबसे लम्बी गज़ल की रचना की है जो अपने आप में एक विश्व रिकार्ड है | आप अब तक 2500 गज़ल लिख चुके हैं जो एक विश्व कीर्तिमान है |

हरयाणवी भाषा के लगाव के कारण आपने हरयाणवी भाषा का कायदा भी तैयार किया है जिसमे स्वर, व्यंजन तथा व्याकरण का समावेश है |

आप अनेक साहित्यिक तथा सामाजिक संस्थाओ से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं |आप अनेक हस्तियों को उर्दू सिखा चुके हैं | आप समस्त हिंदुस्तान अनेक कवि सम्मेलनो, मुशायरों, सेमिनारों में शिरकत कर चुके है | समय - समय पर आकाशवाणी दिल्ली एवं रोहतक से आपके अनेक कार्यक्रम प्रसारित होते रहते हैं|

आप हरियाणा मित्र मंडल, मुम्बई के संस्थापक सदस्य भी हैं | आपको विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं से अनेकों सम्मानों से नवाजा गया है | भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ |

श्री जगदीश मित्तल
(खोरड़ा - दिल्ली)

राम कृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान
(शिक्षा)

भिवानी को प्राचीन समय से छोटी काशी के नाम से जाना जाता है | इसका एक कारण मंदिरों की अधिकता होना था तथा दूसरा कारण तत्कालीन काशी के समकक्ष यहां पर शिक्षा की उपलब्धता होना था | शिक्षा के प्रचार एवं प्रसार में अग्रणीय भूमिका निभाने वाले श्री जगदीश मित्तल किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं | आपका जन्म 15 नवम्बर, 1949 को ग्राम खोरड़ा, जिला भिवानी में हुआ | आपने अपना सम्पूर्ण जीवन समाज सेवा को समर्पित कर दिया है | सम्प्रति आप महाराजा अग्रसेन कॉलेज अग्रोहा, महाराजा अग्रसेन इंजीनीयरिंग कालेज, रोहिणी, दिल्ली के वाइस चेयरमैन का दायित्व निभा रहे हैं | देश भर के समस्त इंजीनीयरिंग संस्थानों में महाराजा अग्रसेन इंजीनीयरिंग कालेज का 25वां स्थान है | भारत लोक शिक्षा परिषद, दिल्ली के वाईस प्रेजीडेंट होने के साथ साथ अनेक शिक्षण और सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं | भारत लोक शिक्षा परिषद देश के वनवासी क्षेत्रों मे लगभग 40000 एकल विद्यालय संचालित करती है तथा ये वो वनवासी क्षेत्र हैं जहां भगवान राम वन में गये तथा आज भी उपेक्षित हैं | वहां के आम जन को देश की मुख्य धारा से जोड़ना अपने आप में एक अभूतपूर्व कार्य है | आप भारतीय जनता पार्टी के शिक्षा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह सन्योजक भी हैं | आप राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं | हिमाचल में आगामी अप्रैल से शुरू होने वाले देश के प्रथम महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय के आप वाइस चेयरमैन हैं |

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको श्री राम कृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ |

श्री सतीश अग्रवाल
(ढाणी माहू-दिल्ली)

चौधरी बंसी लाल भिवानी गौरव सम्मान
(लोक प्रशासन एवं ग्राम विकास)

जननी जन्म भूमि को स्वर्ग से भी महान कहा गया है | जिस गांव की मिट्टी में हमारा जन्म हुआ उसके प्रति हमारा कर्तव्य और भी बढ जाता है | अपने ग्राम का विकास करने में एक उल्लेखनीय भूमिका निभाई है श्री सतीश अग्रवाल जी ने | आपका जन्म 16 अगस्त, 1962 को श्री रोशन लाल अग्रवाल जी के घर हुआ | अपने गांव के विकास के लिये आप हमेशा उपलब्ध रहते हैं | आपने गांव ढाणी माहू के समग्र विकास के लिये कोई कमी नहीं छोड़ी | आपने गांव ढाणी माहू में स्कूल, कालेज, अस्पताल, धर्मशाला, गौशाला, पंचायत घर की स्थापना करके ग्राम

विकास एवं लोक प्रशासन में अग्रणीय एवं अनुकरणीय भूमिका अदा की है | आपके इस कार्य से गांव की कायापलट हो गयी है | अपने गांव के साथ साथ देश के अन्य स्थानों पर भी आपने सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है | आप अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संस्थानों के माध्यम से सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं |

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको चौधरी बंसी लाल भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ |

श्री गुलशन वर्मा

(भिवानी - पानीपत)

बाबू बनारसी दास गुप्त भिवानी गौरव सम्मान
(पत्रकारिता)

भिवानी के लोगों ने लगभग हर क्षेत्र में अपनी एक अगल पहचान बनायी है | पत्रकारिता के क्षेत्र में एक ऐसी ही शख्सियत है श्री गुलशन वर्मा | आप पिछले 22 साल से पत्रकारिता में सक्रिय हैं | आपने वैश्य कालेज, भिवानी से हिंदी में एम.ए., के,एम. कालेज भिवानी से बी.एड़,तथा रोहतक यूनिवर्सिटी से एमएससी - जियोग्राफी और पत्रकारिता में स्नातक की डिग्री हासिल की है| आप पत्रकारिता में यूनिवर्सिटी टॉपर रहे हैं| आपने छात्र जीवन में वैश्य कॉलेज भिवानी और केएम कॉलेज भिवानी की भित्ति पत्रिका के संपादक का दायित्व भी निभाया |

पत्रकारिता से लगाव के कारण ही आपने इंटर स्कूल में मिली लेक्चरर की सरकारी नियुक्ति को भी छोड़ दिया | आपने पत्रकारिता की शुरुआत बतौर उपसंपादक जनसंदेश अखबार से की थी | उसके बाद हरिभूमि रोहतक के संस्थापक समाचार संपादक के रूप में काम किया | पिछले 19 वर्षों से आप दैनिक जागरण समूह से जुड़े हैं| इसके अलावा दूरदर्शन हिसार और आकाशवाणी रोहतक पर भी आपके अनेक कार्यक्रम प्रसारित होते रहते हैं|

सम्प्रति आप दैनिक जागरण, पानीपत में समाचार संपादक के पद पर कार्यरत हैं | भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको बाबू बनारसी दास गुप्त भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ |

डा. तरसेम लाल शर्मा

(भिवानी)

पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान
(संगीत)

संगीत साधना ईश्वर की आराधना से कम नहीं है | संगीत हमारे जीवन में एक नई ऊर्जा का संचार करता है| संगीत के एक ऐसे ही साधक हैं डा. तरसेम लाल शर्मा | आपका जन्म 1 जून 1939 को हुआ | संगीत में आपकी रुचि बचपन से ही थी | अल्पायु में ही संगीत की शिक्षा आपको अपने पिताजी श्री परमानंद शर्मा जी से मिली | आपने प्राचीन कला केंद्र , चंडीगढ से संगीत विशारद की उपाधि भी ली | हरियाणा सरकार के एनिमल हसबैंडरी विभाग से संयुक्त निदेशक के रूप में सेवा निवृत्त डा. तरसेम लाल शर्मा पूरी तरह से संगीत साधना को समर्पित हैं| आप ऑल इंडिया रेडियो और टेलीविजन से बतौर एप्रूवड कलाकार जुड़े हुए हैं | आपको समय समय पर राज्य स्तर के अनेक सम्मानों से नवाजा गया | संगीत के अलावा अभिनय और लेखन में भी आपकी खास रूचि है | आपने देश भक्ति के कई गीत लिखे हैं तथा आपकी गजलों की एलबम "सूकुन" भी खासी लोकप्रिय रही है|

आजकल आप बच्चों को वोकल संगीत का निशुल्क शिक्षण दे रहे हैं | संगीत आपके खून में रचा बसा है| आप संगीत के माध्यम से समाज सेवा को अपना प्रमुख कर्तव्य मानते हैं |

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ |

श्री मोहन लाल बालेश्रा

(भिवानी)

फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान
(सेवा)

भिवानी के अनेक लोगों ने समय समय पर समाज सेवा में एक मिसाल कायम की है | पशुओं की सेवा , विशेषकर गौ सेवा किसी अन्य सेवा से कम नहीं है | इस क्षेत्र में अपना विशिष्ट योगदान देने वाली एक ऐसी ही शख्सियत हैं श्री मोहन लाल बालेश्रा | आपका जन्म 31 जनवरी, 1964 को श्री जगदीश प्रसाद जी योगी के घर हुआ | आपकी प्रारम्भिक शिक्षा भिवानी में हुई | हिसार कृषि विश्वविद्यालय से आपने पशु चिकित्सा तथा पशुधन विकास सहायक की उच्च शिक्षाप्राप्त की | आप 5 नवम्बर, 1985 से पशुपालन एवं डेयरिंग़ विभाग , हरियाणा में बतौर पशु चिकित्सा तथा पशुधन विकास सहायक के पद पर कार्यरत हैं | दिसम्बर 1985 से श्री गौशाला ट्रष्ट (रजि.) भिवानी में विभाग की तरफ से कार्यरत रहते हुए इस संस्था की चार गावों की शाखाओं में गौशालाओं के प्रबंधन,पशु चिकित्सा, कृत्रिम गर्भादान द्वारा प्रजनन,गौ - संवर्धन तथा गौ संरक्षण में आपने उल्लेखनीय योगदान दिया|

यहां गायों की तीन देशी नस्लों साहीवाल, थारपारकर तथा संकर नस्ल की गायों का सम्वर्धन एवं संरक्षण कृत्रिम गर्भादान द्वारा सफलतापूर्वक चलाने में आपका विशेष योगदान है | गौशाला में प्रत्येक गौवंश की वंशानुपात रिकार्ड रखना, संक्रामक रोगों से बचाव हेतु टीकाकरण, सींग़ रहित करना, कृमि रहित करना, गौवंश की पहचान हेतु Tatooing करना आदि कार्यों को आपने सफलता पूर्वक अन्जाम दिया है |

नस्ल सुधार के कारण गौशाला की गायों एवं सांडों ने ब्लाक स्तर, हरियाणा प्रांत एवं अखिल भारतीय स्तर पर पशु प्रदर्शिनियों में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए Best animal of show का खिताब हासिल किया है | भिवानी के आस पास के क्षेत्र में लाचार, अपंग, बीमार, वृद्ध एवं सड़क दुर्घटनाग्रस्त गौवंश को गौशाला में रखकर उनका नियमित उपचार एवं देखरेख में आपकी विशेष रुचि रहती है |

भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड के द्वारा आपको प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया|

भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको श्री फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ |

श्री सुबे सिंह तंवर

(भिवानी)

श्री सुरजीत सिंह भिवानी गौरव सम्मान
(खेल)

मिनी क्यूबा के नाम से विख्यात भिवानी का नाम पूरे विश्व में बड़े आदर से लिया जाता है | भिवानी के अनेक खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है | भिवानी को खेलों की नर्सरी बनाने वाले प्रमुख बागबांओ में एक हैं श्री सुबे सिंह तंवर |आपका जन्म 18 अप्रैल, 1961 को भिवानी में श्री प्रभु सिन्ह तंवर जी के घर हुआ | नारनौल से अपने कैरियर की शुरुआत करने के बाद आप गत 20 वर्षों से भीम स्टेडियम, भिवानी में एथलेटिक्स की प्रतिभाओं को तराशने में लगे हुए हैं | आपके द्वारा प्रशिक्षित अनेक खिलाड़ियों ने Long Jump, High Jump, भाला फेंक, 100 मीटर से लेकर मैराथन दौड़ में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर अपनी पहचान बनायी है | आपके द्वारा प्रशिक्षित 21 खिलाड़ी स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय तथा लगभग 150 खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता रह चुके हैं | इसके साथ साथ आपके द्वारा प्रशिक्षित खिलाड़ियों ने कामनवैल्थ खेलों, एशियाई खेलों तथा विश्व एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन किया है |

चौधरी बंसीलाल जी के मुख्यमंत्री काल में सन 1999 में आपको हरियाणा के तत्कालीन राज्यपाल द्वारा Best Coach के गवर्नर अवार्ड से नवाजा गया | भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको श्री सुरजीत सिंह भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ |